जौनपुर जनपद के ग्रामीण और शहरी प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के संबंध में मत

शोध-छात्रा
रोली मिश्रा
एम0ए0 अर्थशास्त्र

शोध निर्देशक
डॉ. राम मोहन अस्थाना
प्रवक्ता अर्थशात्र विभाग
सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज बदलापुर जौनपुर

शारांश- *प्रस्तुत शोध पत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का रोजगार सृजन पर पडने वाले प्रभाव के संबंध में ग्रामीण और शहरी प्रशिक्षुओं के मत का अध्ययन करने हेतु.जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखंडो में स्थापित कौशल विकास केंद्रों से 200 प्रशिक्षुओं का प्रतिदर्श के रूप में चयन किया गया जिसमें 100 ग्रामीण.प्रतिदर्श और 100 शहरी प्रतिदर्श लिए गए हैं। अध्ययन के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया जिसमें कुल 20 प्रश्न थे। इस स्वर्निर्मित प्रश्नावली में न्यूनतम प्राप्तांक 0 तथा अधिकतम प्राप्तांक 40 अंक दिया गया है। प्रश्नों के उत्तर में हां पर 02 अंक, पता नहीं पर 0 1अंक और नहीं पर शून्य अंक दिया गया। अध्ययन के लिए माध्य, माध्यिका, बहुलक, प्रतिशत, मानक विचलन ,विषमता, कुकुदता, टी टेस्ट आदि सांख्यिकी विधियो का प्रयोग किया गया है। इस अध्ययन में यह पाया गया कि ग्रामीण और शहरी दोनों ही प्रशिक्षुओं का मत है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है किंतु शहरी प्रशिक्षुओं की अपेक्षा ग्रामीण प्रशिक्षुओं का यह ज्यादा मानना है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।*

मुख्य शब्द -
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, रोजगार सृजन, ग्रामीण और शहरी प्रशिक्षु।

प्रस्तावना

जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना जाता है, भारत एक जवानों का देश है यहाँ पर जवानों से तात्पर्य युवाओं से है। बड़ी संख्या में बेरोजगारी है जिसे तभी दूर किया जा सकता है जब अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले। एक व्यक्ति को अपनी जिंदगी में विकसित होने के लिए आवश्यक है कि उसकी आर्थिक शक्ति मजबूत हो। जब व्यक्ति की आर्थिक शक्ति मजबूत होगी तो परिवार की आर्थिक शक्ति मजबूत होगी परिवार की आर्थिक शक्ति की मजबूती समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा और इसी प्रकार से छोटे-छोटे समाज मिलकर ही देश को विकसित बनाते हैं अर्थात किसी भी सरकार के लिए यह निश्चित रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है कि उसके देश में,उसके राज्य में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाए और प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर समाज आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और समाज की आर्थिक मजबूती देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाती है। यह आर्थिक मजबूती बिना रोजगार के संभव नहीं है। कहा गया है की जिस प्रकार सोते शेर के मुख में मृग नहीं आकर उसका भोजन नहीं बनता इसके लिए शेर को प्रयास करना पड़ता है उसी पाकर कार्य करने के लिए रोजगार आवश्यक है। किसी भी सरकार का यह प्रमुख दायित्व

होता है कि वह अपने समाज अपने राज्य अपने देश में रहने वाले व्यक्ति को कुछ रोजगार प्रदान करें और युवाओं को स्व-रोजगार के लिए भी प्रेरित करें। भारत में रोजगार सृजन हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर रोजगार आधारित विभिन्न योजनाएं चलाई जाती रही है। उन्हीं में से एक योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना है जिसका उद्देश्य युवाओं के कौशल का विकास करते हुए उन्हें रोजगार प्रदान करना है।

वर्तमान समय में भारत विश्व जगत में अत्यंत गौरव पूर्ण स्थान रखता है। हमारे देश की गणना न केवल तेज गति से बढ़ रही अर्थ व्यवस्थाओं में होती है वरन मानव संसाधन के विशाल संगम के लिए भी होती है। विश्व में वृ (लोगों की संख्या बढ़ रही है जबकि भारत में युवाओं की संख्या बढ़ रही है। अब जब काम करने वाले देश में मौजूद हैं तो उन्हे काम देना सरकार का काम है इसी बात को ध्यान में रखते हुए देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय नेन्द्र मोदी द्वारा प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना देश के युवाओं को दी गयी।

इस योजना के लिए अलग से एक मंत्रालय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय बनाया गया है, यही इसका नोडल मंत्रालय भी है। यह मंत्रालय देश भर में कौशल विकास के सभी प्रयासों का समन्वय करने, कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को दूर करने, व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे का निर्माण करने, कौशल उन्नयन करने, न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए, बल्कि सृजित की जाने वाली नौकरियों के लिए भी नए कौशलों और नवीन सोच का निर्माण करने के लिए उत्तरदायी है।मंत्रालय का उद्देश्य 'कुशल भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए गति और उच्च मानकों के साथ बड़े पैमाने पर कुशल बनाना है।

सरकार ने कौशल विकास के लिए न सिर्फ योजनाएं लाई है बल्कि मंत्रालय भी खोल रखे हैं इन्हीं मंत्रालयों के द्वारा इस तरीके के कौशल विकास की योजनाओं को नियंत्रित नियमित और संपादित किया जाता है। हर व्यक्ति तक इन योजनाओं को पहुंचाना सरकार का एक मुख्य उद्देश्य होता है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना भारत के युवाओं में कौशल का विकास करने के लिए शुरू की गयी योजना है। अलग अलग देश में अलग अलग कौशल महत्वपूर्ण होते हैं और अलग अलग व्यक्ति अलग अलग क्षमता वाले होते हैं इसी वजह से सभी को ध्यान में रखकर कुल 34 प्रकार के कोर्स के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया आदि के अंतर्गत नौकरी दी जा रही है।

उद्देश्य-जौनपुर जनपद के ग्रामीण और शहरी प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत का अध्ययन करना।

परिकल्पना-

जौनपुर जनपद के ग्रामीण और शहरी प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण-

अध्ययन विधि में सर्वप्रथम आंकड़ों को इकट्ठा करने के लिए प्रश्नावली विधि द्वारा जौनपुर जनपद के विकासखण्डों में स्थापित प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र में जाकर पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों से आंकड़ों का संग्रह किया गया है। आंकड़ों के संग्रह हेतु शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया जिसमें कुल 20 प्रश्न थे। उच्च अंक 40 और निम्न अंक 0 रखा गया प्रश्नों के उत्तर में हां पर 02 अंक, पता नहीं पर

01 अंक और नहीं पर शून्य अंक दिया गया। प्रश्नावली का निर्माण शोधार्थी द्वारा किया गया जिसे स्वमापनी या स्वनिर्मित प्रश्नावली कहा जाता है। प्रश्नावली में इस प्रकार प्रश्न रखे गए थे कि सभी जातिश्/रेणी स्थान के प्रशिक्षण/ प्राप्त किए गए लोगों का प्रतिनिधित्व हो सके।

प्रतिदर्शो की संख्या-

प्रतिदर्शन में शोधार्थी ने जनपद जौनपुर के विकासखण्डों में स्थापित प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्रों में कुल 200 प्रतिदर्श का चयन किया शहरी परिवेश से 100 और ग्रामीण परिवेश से 100.

आंकड़ों का संकलन और विश्लेषण- ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत

चर	**संख्या**	ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत		**टी मान**$_{(500,498)}$
		माध्य	मानकविचलन	
ग्रामीण प्रशिक्षु	100	22.59	9.76	**1.475**
शहरी प्रशिक्षु	100	20.46	10.65	**p = .142**

ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत आनुमानिक सांख्यिकीय विश्लेषण को दर्शाया गया है। इस तालिका के अंतर्गत दोनों समूहों के माध्य मानक विचलन तथा टी टेस्ट के परिणाम को प्रदर्शित किया गया है। उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि ग्रामीण प्रशिक्षुओं- का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत का माध्य22.59 और मानक विचलन 9.76 है एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत का माध्य 20.46 और मानक विचलन 10.65 है। प्राप्तांकों के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे मत धनात्मक है। हालांकि परिणामों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत समान है और उनमे सांख्यिकीय रूप से कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः निर्मित परिकल्पना *"ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका के बारे में मत में कोई सार्थक अन्तर नहीं है"* पूर्णतः स्वीकृत सिद्ध होती है।

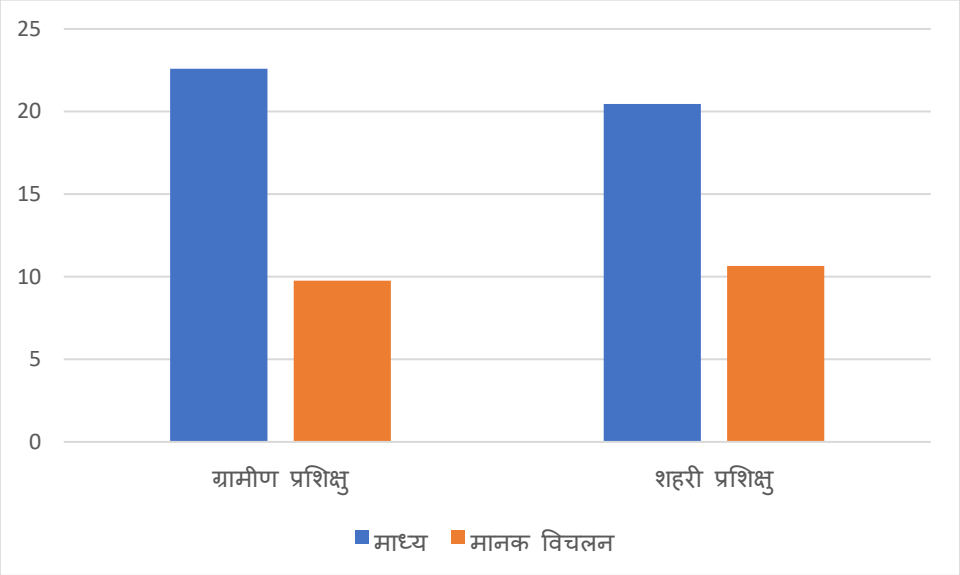

निष्कर्ष - प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने अपने शोध के आकड़ो के विश्लेषण से यह पाया कि ग्रामीण एवं शहरी प्रशिक्षुओं का प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की रोजगार सृजन में भूमिका रही है। इस बात की पुष्टि आकड़ो के मध्यमान और मानक विचलन के विश्लेषण से स्कोर होता है। प्रतिदर्श में शामिल किए गए सभी लोगों का स्कोर औसत से अधिक था जिसका अर्थ है कि उन्होंने शोध में प्रयुक्त उपकरण में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति व्यक्त की है।

संदर्भ-

- *Bhuvana S., Kavya and Geetanjali P. (2019). A Study on Effectiveness of Pradhan Mantri*
- *Kaushal Vikas Yojna Centres in Bengaluru Regions, UAS - JMC, 4 (2), 22-25*
- *Chenoy D. (2012). Skill Development in India: A Transformation in the Making.*
- *India Infrastructure Report Divyaranjani, R. & Rajasekar, D. (2017).*
- *Research on effectiveness of Training and development on Worker's productivity in automobile Manufacturing companies with Reference to Chennai city. International Journal of Civil Engineering and Technology, 8(6), 19 30.*
- *Dr. B.C. M. Patnaik, Dr. Ipseeta Satpathy and Snigdha Suhagi (2018). Role of ITES in*
- *Pradhanmantri Kaushal Vikas Yojna (PMKVY): A Conceptual Study, International Journal of Mechanical Engineering and Technology 9(8), 907 914*
- *https://www.hindustantimes.com/cities/unemployment-rate- -haryana-highest- -the- untryin in cosays-report/story-i0XRweXIz4GEr34VxVbVFI.html*

- *Kanchan, S., & Varshney, S. (2015). Skill development initiatives and strategies. Asian Journal of Management Research, 5(4), 666-672.*
- *Katole, H. (2015). Skill development and Economic growth of India. Pune University, Pune. Retrieved from http://www.aebjournal.org/articles/0304/030401.pdf.*
- *Kedar, M.S. (2015). Skill Development in India Challenges and Opportunity. International Research Journal of Multidisciplinary Studies 1(5). Retrieved from www.irjms.in › sites › irjms › index.php› files › article › download.*
- *Mbeki, S. (2014). Causes, effects and impact of shortages of skilled artisans on contractor productivity.http://etd.cput.ac.za/handle/20.500.1*
- *http://etd.cput.ac.za/handle/20.500.11838/10621838/1062*
- *Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (2018), Skill India- Highlights 2018, http://pib.nic.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1515326*
- *Niti Aayog, (2015), Report of the Sub Group of Chief Ministers on Skill Development; http://www.niti.gov.in/skill-development, i-viii, 1-227.*
- *Pandey, Ankul, Dr. Nema, D.K., (2017), Impact of skill India training program among the youth, International Journal of Multidisciplinary Research and Development, 4 (7), 294-299*
- *Sanghi, Sunita, Parvathy, Lakshmi, Khurana, Sakshi (2018), India needs to Develop Skill*
- *Development Indicators, http://niti.gov.in/content/india-needs-develop-skill-developmentindicators*
- *Sanghi, Sunita and Sirja, A., (2015) Skill Development and Productivity of the Workforce, CIINITI AAYOG,*
- *Shrivastav, R. K. & Jatav, A. (2017). An Analysis of Benefits and Challenges of Skilling India. 9th International conference*

Contributors Details:

शोध-छात्रा
रोली मिश्रा
एम0ए0 अर्थशास्त्र

शोध निर्देशक
डॉ. राम मोहन अस्थाना
प्रवक्ता अर्थशात्र विभाग
सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज बदलापुर जौनपुर